

 *Mahendra's*



UP Police कांस्टेबल / UP लेखपाल



HINDI

हिन्दी व्याकरण – शब्द भेद

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों सहित



 **3:00 PM**

LIVE 

18. निम्नलिखित में से कौन स्वर सन्धि का उदाहरण है?

- (a) संयोग (सम्+योग / व्यंजन संधि)
- (b) मनोहर (मनः+हर / विसर्ग संधि)
- (c) नमस्कार (नमः + कार / विसर्ग संधि)
- (d) पवन (पो + अन / अयादि संधि)

अयादि संधि-

ए + अन्य या विजातीय स्वर = अय्
ऐ + अन्य या विजातीय स्वर = आय्
ओ+ अन्य या विजातीय स्वर = अव्
औ+ अन्य या विजातीय स्वर = आव्

शब्द भेद

परिभाषा - एक या एक से अधिक अक्षरों से बनी हुई स्वतन्त्र सार्थक ध्वनि को शब्द कहते हैं। जैसे—
आदमी, नारी, पानी, आदि।

शब्द अक्षरों के योग से बनते हैं, जैसे ज और ल जल ,
क और ल कल यदि इनमें आ का योग कर दिया
जाए, तो जाल ,काल आदि शब्द बनाये जा सकते हैं।

इन्हें चार भागों में विभाजित किया गया है-

1. उत्पत्ति / उद्गम के आधार पर
2. रचना / बनावट के आधार पर
3. अर्थ के आधार पर
4. व्याकरण या प्रयोग के आधार पर

1. उत्पत्ति के आधार पर

उद्गम या व्युत्पत्ति के आधार पर हिन्दी शब्द भण्डार के अन्तर्गत पाँच प्रकार के शब्द पाए जाते हैं..

- (i) तत्सम
- (ii) तद्भव
- (iii) देशज
- (iv) विदेशी
- (v) संकर



(i) तत्सम शब्द-

तत्सम शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- 'तत् + सम्' जिसका अर्थ

है - 'उसके समान' ।

हिन्दी में बहुत-से शब्द संस्कृत से सीधे आ गए हैं और आज भी संस्कृत के मूल शब्द की ही भाँति हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं। इन्हीं शब्दों को 'तत्सम शब्द' कहा जाता है, जैसे—घन, नारी, जलज, सर्वदा, सीमा, राष्ट्र, रवि, सौन्दर्य, क्रूर, गौरव आदि।

(ii) तद्भव शब्द -

तद्भव' शब्द का अर्थ है— 'उससे होना'

अर्थात् वे शब्द जो 'स्तोत्र भाषा' के शब्दों से विकसित हुए हैं। चूँकि ये शब्द संस्कृत से चलकर पालि प्राकृत अपभ्रंश से होते हिन्दी तक पहुँचे हैं, अतः इनके स्वरूप में परिवर्तन आ गया है, जैसे- 'दही' शब्द हुए 'दधि' से, 'कान्ह' शब्द 'कृष्ण' से विकसित होकर हिन्दी में आए हैं। ऐसे शब्दों को 'तद्भव शब्द' कहा जाता है।

(iii) देशज शब्द -

वे शब्द जो क्षेत्रीय प्रभाव के कारण परिस्थिति या आवश्यकतानुसार प्रचलित हो गए हैं, देशज या देशी शब्द कहलाते हैं।" जैसे-कटरा, कटोरा, खिड़की, ठुमरी, जूता, कलाई, फुंकनी, खिचड़ी, पगड़ी, लोटा, डिबिया, झंझट, लफड़ा, भोंदू, अटकल, खाट, थूक, ठेठ, डाब, भर्राटा, धड़ल्ले, धासू इत्यादि।

(iv) विदेशी शब्द -

हिन्दी में अनेक शब्द ऐसे हैं जो हैं तो विदेशी मूल के किन्तु परस्पर सम्पर्क के कारण यहाँ प्रचलित हो गए हैं। हिन्दी में विदेशज शब्द मुख्यतः दो प्रकार के हैं—मुस्लिम शासनकाल में अरबी-फारसी और तुर्की के अनेक शब्द हिन्दी भाषा ने ग्रहण किए हैं। इसी प्रकार यूरोपीय कम्पनियों के आगमन व ब्रिटिश शासन के प्रभाव से हिन्दी में अंग्रेजी शब्द आए। इन शब्दों को हिन्दी ने ग्रहण कर अपनी उच्चारण प्रवृत्ति एवं व्याकरण के अनुरूप संशोधित कर लिया।

हिंदी के उच्चारण तथा लेखन के अनुसार हिन्दी भाषा में घुले मिले कुछ विदेशज शब्द इस प्रकार हैं -

(अ) अरबी शब्द- अजब, अमीर, अक्ल, असर, अल्लाह, आखिर, आदमी, आदत, इनाम, इज्जत, इमारत, इस्तीफा, इलाज, ईमान, उम्र, एहसान, औसत, औरत,

(ब) फारसी शब्द- अफसोस, आतिशबाजी, आराम, आवारा, आवाज, उम्मीद, कबूतर, कुश्ती, किशमिश, बादाम, किनारा, खाल, खरगोश, खुश, खुराक, खूब, गुम, गवाह, गिरफ्तार, गरम, गुलाब, गोश्त, चाबुक,

(स) तुर्की शब्द- आगा, उर्दू, कालीन, काबू, कैंची, कुली, कुर्की, चिक, चेचक, चमचा, चुगुल, चकमक, तोप, तलाश, बहादुर, मुगल, लफंगा, मीर आदि।

(द) अंग्रेजी शब्द - हिन्दी में अंग्रेजी के कुछ तत्सम शब्द ज्यों के त्यों प्रयुक्त होते हैं, जैसे-एजेसी, कम्पनी, कमीशन, कमिश्नर, क्वार्टर, क्रिकेट, गार्ड, जेल, ट्यूशन, नर्स, नम्बर, दिसम्बर, पार्टी, प्लेट, पार्सली, पेट्रोल आदि।

(य) पुर्तगाली शब्द -आया, इस्पात, कमीज, कमरा, काजू, गमला, गोदाम, गोभी, तौलिया, नीलाम, परात, लबादा आदि।

(र) फ्रेंच शब्द- बेसिन, कप, मेयर, मदाम, मार्शल, पिकनिक, सूप, कारतूस, कूपन, मीनू

(v) संकर शब्द-

दो विभिन्न भाषाओं के शब्दों को मिलाकर जो नया शब्द अस्तित्व में आता है, आदि। उसे संकर शब्द कहते हैं। जैसे

रेल (अंग्रेजी) + गाड़ी (हिन्दी) = रेलगाड़ी
पान (हिन्दी) + दान (फारसी) = पानदान
छाया (संस्कृत) + दार (फारसी) = छायादार
वर्ष (संस्कृत) + गाँठ (हिंदी) = वर्षगाँठ
टिकट (अंग्रेजी) + घर (हिंदी) = टिकटघर
जाँच (हिंदी) + कर्ता (संस्कृत) = जाँचकर्ता
लाठी (हिंदी) + चार्ज (अंग्रेजी) = लाठीचार्ज
जेल (अंग्रेजी) + खाना (फारसी) = जेलखाना

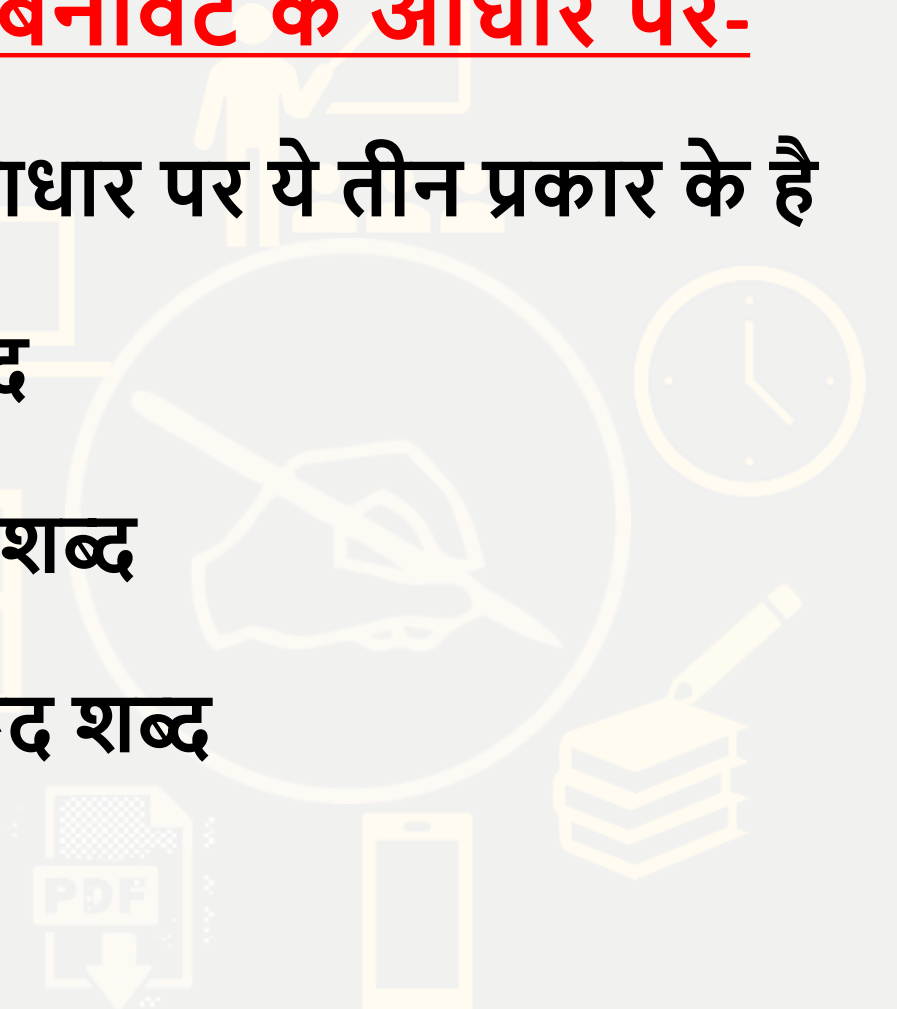
2. रचना /बनावट के आधार पर-

रचना के आधार पर ये तीन प्रकार के है

(i) रूढ़ शब्द

(ii) यौगिक शब्द

(iii) यौगारूढ़ शब्द



1. रूढ़ शब्द-

"जिन शब्दों के अंश सार्थक नहीं होते, उन्हें रूढ़ शब्द कहते हैं।"
जैसे-

नाक, कान, पीला, झट, पर।

यहाँ प्रत्येक शब्द के खण्ड जैसे—'ना' और 'क', 'का' और " **अर्थहीन है।**

(ii) यौगिक शब्द-

"वे शब्द जो दो सार्थक शब्दों के मेल से बनते हैं, यौगिक शब्द कहलाते हैं।

जैसे-

लाल-पीला, पीला-पन, मिठाई वाला, चाल-बाज, छल-कपट, घुड़सवार आदि।

यहाँ प्रत्येक शब्द का खण्ड भी **सार्थक** है।

(iii) योगारूढ शब्द -

“ऐसे शब्द जो यौगिक तो होते हैं, परन्तु अर्थ के विचार से अपने साधारण अर्थ को छोड़कर किसी परम्परा वाले विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, योगारूढ शब्द कहलाते हैं।

जैसे—

लम्बोदर, मुरलीधर, नीलकण्ठ, पंकज, शूल पाणि आदि। पंकज (कीचड़ में) उत्पन्न, जबकि इससे केवल 'कमल' का अर्थ लिया जाता है।

3. अर्थ के आधार पर-

अर्थ के विचार से शब्दों के निम्न प्रकार माने जाते हैं-

(i) समानार्थी शब्द (ii) विपरीतार्थी शब्द

(i) समानार्थी शब्द-

हिन्दी में अनेक शब्द ऐसे हैं जो समान अर्थ देते हैं। इन्हें समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहते हैं, जैसे—सूर्य को अन्य समानार्थी शब्दों प्रभाकर, रवि, भास्कर भी कह सकते हैं।

(ii) विपरीतार्थी शब्द -

वे शब्द जो विपरीत अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें विपरीतार्थी या विलोम शब्द कहते हैं, जैसे दुःख - सुख , अमीर - गरीब , शहरी-ग्रामीण इत्यादि ।

(iii) एकार्थी शब्द-

जिन शब्दों का केवल एक ही अर्थ प्रकट होता है वे एकार्थी शब्द कहलाते हैं,

जैसे-राम, मोहन, यमुना, सीता इत्यादि।

(iv) अनेकार्थी शब्द-

जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं,

जैसे- कनक-स्वर्ण, धतूरा

4. व्याकरण या प्रयोग के आधार पर

शब्द के आठ भेद हैं, इन आठ प्रकार के शब्दों को विकार की दृष्टि से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

1. विकारी शब्द
2. अविकारी शब्द

1. विकारी शब्द

- (i) संज्ञा
- (ii) सर्वनाम
- (iii) विशेषण
- (iv) क्रिया

2. अविकारी शब्द

- (v) समुच्चयबोधक
- (vi) क्रिया विशेषण
- (vii) सम्बन्धबोधक
- (viii) विस्मयादिबोधक

1. उद्गम के आधार पर निम्न में से कौन-सा शब्द-भेद नहीं है?

(a) तत्सम (b) रूढ़ (c) तद्भव (d) विदेशी

2. तत्सम शब्दों का मूल स्रोत है:

(a) अपभ्रंश (b) प्राकृत (c) संस्कृत (d) पालि

3. निम्नलिखित में कौन रूढ़ शब्द है?

(a) सलाई (b) पेट (c) पंकज (d) उबटन

4. 'उलूक' का तद्भव शब्द है:

(a) उलक (b) ओलक (c) रात्रिपथ (d) उल्लू

5. निम्नलिखित प्रश्नों में योगरूढ़ शब्द कौन-सा है?
(a) पुष्प (b) पंकज (c) कुमुदिनी (d) इनमें से कोई नहीं

6. निम्नलिखित प्रश्नों में योगरूढ़ शब्द कौन-सा है?
(a) योद्धा (b) असुर (c) दशानन (d) राक्षस

7. 'लक्ष' का तद्भव बताइए:
(a) लाख (b) लक्ष्य (c) लच्छ (d) लच्छी

8. 'ओठ' का तत्सम शब्द है:
(a) होठ (b) ओट (c) ओष्ठ (d) अधर

9. 'बादल' का तत्सम शब्द है:

(a) मेघ (b) घन (c) वारिद (d) वाष्प

10. 'कंधा' का तत्सम शब्द है:

(a) इस्कंध (b) स्कंध (c) कक्षु (d) कंधु

11. 'केला' का तत्सम शब्द है:

(a) फल (b) ओलक (c) कदली (d) मेवा

12. योगरूढ शब्द का अर्थ है ?

- (a) जिसमें कोई रूप परिवर्तन न हो
- (b) जिसका अर्थ निश्चित हो
- (c) जिसकी कोई व्युत्पत्ति ज्ञात न हो
- (d) जो सामान्य अर्थ को छोड़कर परंपरागत अर्थ बताए

13. शब्द किसे कहते हैं ?

- (a) एक या एक से अधिक ध्वनि समूह को
- (b) एक या एक से अधिक वर्ण समूह को
- (c) एक या एक से अधिक सार्थक वर्ण समूह को
- (d) ध्वनि की लघुतम इकाई को

14. 'काक' का तद्भव शब्द है:

(a) काग (b) केका (c) श्याम वर्ण (d) कागा

15. पुलिस किस वर्ग का शब्द है?

(a) तत्सम (b) तद्भव (c) देशज (d) विदेशी

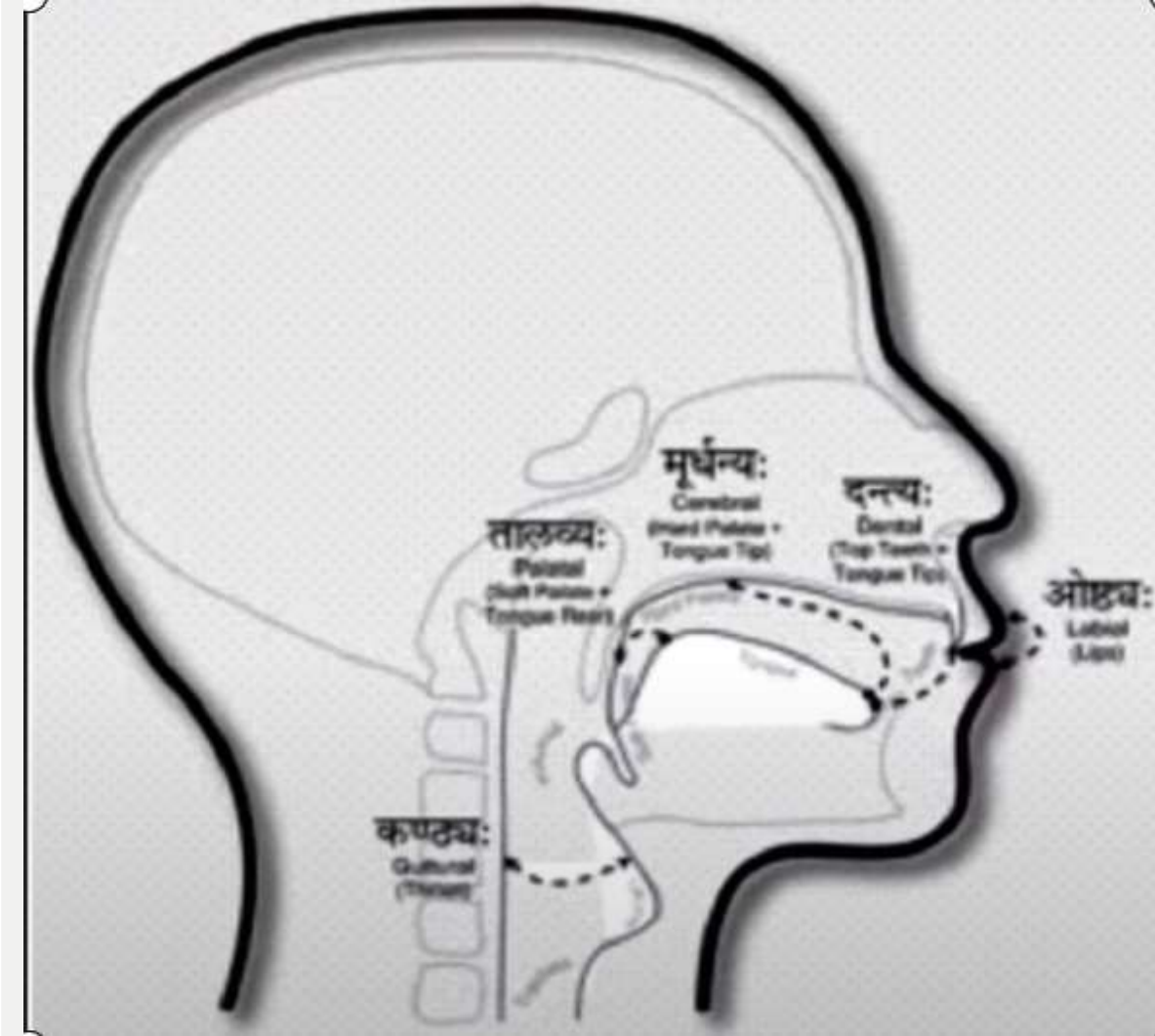
16. 'दंत भावन' के विकसित तद्भव शब्द क्या है?

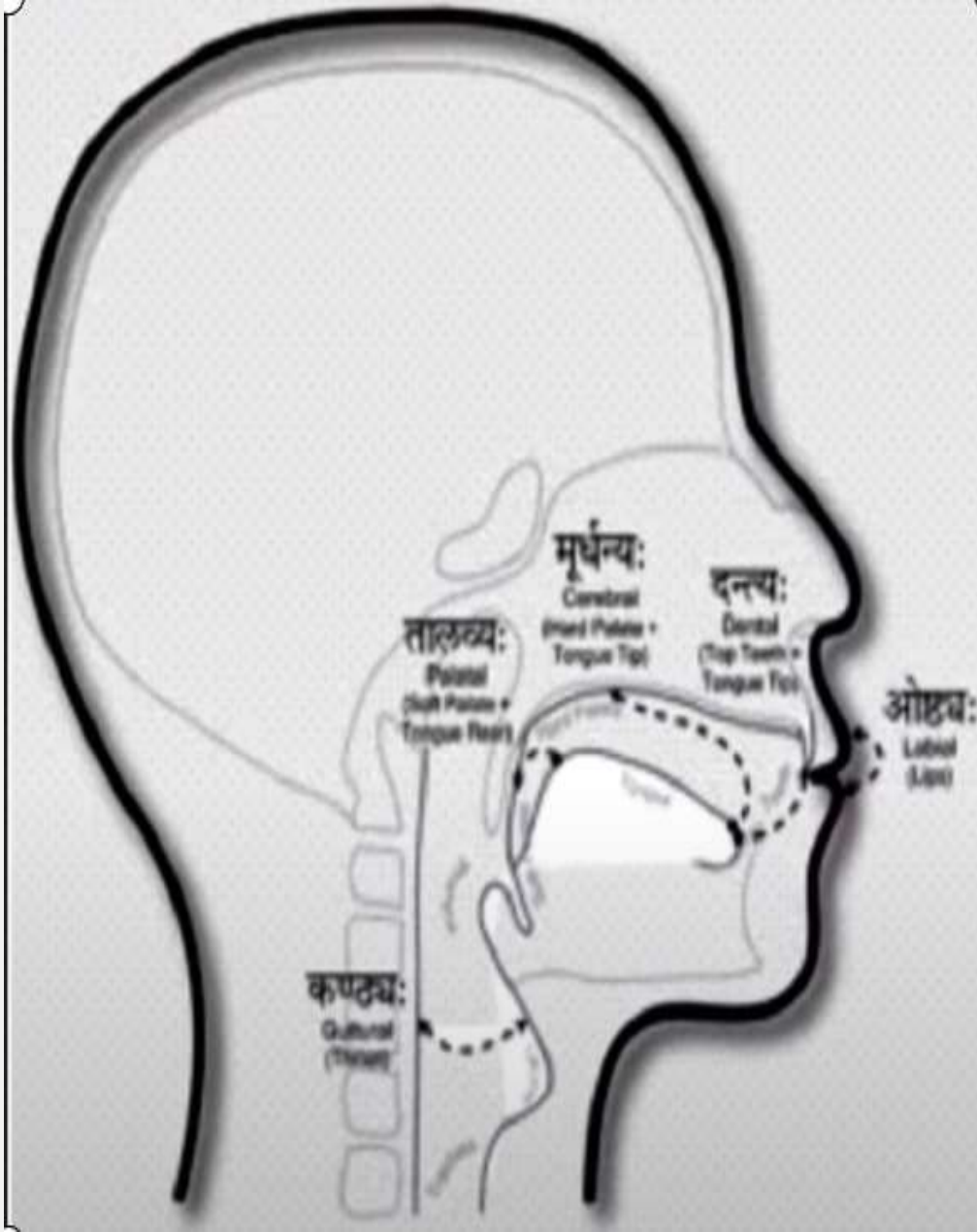
(a) दतौन्न (b) दातौ (c) दातुन (d) इनमें से कोई नहीं

17. 'श्यामल' किस तद्भव शब्द का तत्सम रूप है?

(a) साँवला (b) सामले (c) समालू (d) संभल

- श -(तालव्य) का उच्चारण जीभ के तालु से स्पर्श होता है।
ष -(मूर्धन्य) का उच्चारण में जीभ मूर्धा को स्पर्श करती है।
स -(दन्त्य) का उच्चारण जीभ द्वारा दाँतो के स्पर्श से होता है।





व्यंजन

क वर्ग - क ख ग घ ङ (कंठ्य) (अ आ अः ह)

च वर्ग - च छ ज झ ञ (तालव्य) (इ ई य श)

ट वर्ग - ट ठ ड ढ ण (मूर्धन्य) (ऋ र ष)

त वर्ग - त थ द ध न (दन्त्य) (ल स)

प वर्ग - प फ ब भ म (ओष्ठ्य) (5 X 5 = 25) (उ ऊ)

